Chapter-03 Hindi Kshitiz

माखनलाल चतुर्वेदी का जीवन परिचय:

माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले मे बाबई नामक गाँव मे सन 1889 मे हुआ था। प्राथमिक शिक्षा के बाद इन्होने घर पर ही संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती आदि भाषाओ का ज्ञान प्राप्त किया। वे भारत के ख्याती ख्याति-प्राप्त कवि, लेखक और प्रसिद्ध पत्रकार थे, जिनकी रचनाएँ अत्यंत लोकप्रिय थे। वे सरल भाषा और जोशीली भावनाओ के अनूठे हिन्दी रचनाकार थे। प्रभा और कर्मवीर जैसे प्रतिष्ठित पत्रो के संपादक के रूप मे उन्हे ब्रिटिश शासन के खिलाफ जोरदार प्रचार किया और नई पीढ़ी से आह्वान किया कि वह गुलामी की जंजीरो को तोड़ कर बाहर आए। वे सच्चे देशप्रेमी थे और 1921-22 के असहयोग आंदोलन मे सक्रिय रूप से भाग लेते हुए जेल भी गए। उनकी कविताओ मे हमे देशप्रेम के साथ-साथ प्रकृति और प्रेम का भी चित्रण मिलता है। गाने लिख रहे है। हम अपने पेठ पर रस्सी बांध कर कोल्हू का चरसा चला-चला कर ब्रिटिश सरकार की अकड़ का कुआँ खाली कर रहे है। अर्थात हम कितनी यातनाए सहने और भूखे रहने के बाद भी अंग्रेजी शासन के सामने नही झुक रहे है। जिससे उनकी अकड़ जरूर कम हो जाएगी। इसी वजह से दिन मे हमारे अपनी रचनाओ मे बोलचाल की भाषा का उपयोग किया है।

कैदी और कोकिला के भावार्थ

1. क्या - - - - - - - - - - - - - - हो !

सन्दर्भः प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला नामक पाठ से लिया गया है।

अर्थः उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने कारागार में बंद एक स्वतंत्रता सेनानी की मनोदशा को दर्शाया है। रात के घोर अंधकार में कारागृह के ऊपर जब वह एक कोयल को गाते हुए सुनता है, तो उसके मन में कई तरह के भाव एवं प्रश्न उत्पन्न होने लगते हैं। उसे ऐसा लगता है कि कोयल उसके लिए संदेश लेकर आयी है, कोई प्रेरणा का स्रोत लेकर आयी है।

उससे इन प्रश्नों का बोझ सहा नहीं जाता और एक-एक कर कोयल से सारे प्रश्न पूछने लगता है। वह सर्वप्रथम कोयल से पूछता है कि तुम क्या गा रही हो? फिर गाते-गाते तुम बीच-बीच में चुप क्यों हो जाती हो। वो कोयल से कहता है - हे कोयल! कुछ बताओ तो, क्या तुम मेरे लिए कोई संदेश लेकर आयी हो? अगर कोई संदेश आयी हो, तो उसे कहते-कहते चुप क्यों हो जा रही हो? और यह संदेश तुम्हें कहाँ से मिला है, जरा मुझे बताओ।

2. ऊँची- - - - - - - - - - - - - - क्यूँ आली ?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला नामक पाठ से लिया गया है

अर्थ इन पंक्तियों मे कवि ने अंग्रेजों के अत्याचार एवं उनके काले कारनामों को जनता के सामने प्रस्तुत किया है। पराधीन भारत मे, जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानी जेल के अंदर होने वाले अत्याचार एवं अपनी दयनीय स्थिति का वर्णन करते हुए कहता है कि उन्हे जेल के अंधेरे अंधकार मे काली और ऊँची दीवारों के बीच डाकू, चोरों-उचक्कों के साथ रहना पड़ रहा है। जहाँ उसका कोई मान सम्मान नही है

जबकि स्वतंत्रता सेनानियों के साथ इस तरह का बर्ताव नही किया जाना चाहिए। उन्हे जीने के लिए पेट-भर खाना भी नही दिया जाता और ना ही उन्हे मरने दिया जाता है। यानि कि उन्हे तड़पा-तड़पा कर जीवित रखना ही प्रशासन का उद्देश्य है। इस प्रकार उनकी स्वतंत्रता पूरी तरह से छीन ली गई है और उनके ऊपर रात-दिन कड़ा पहरा लगा होता है।

अंग्रेजी शासन उनके साथ घोर अन्याय कर रहा है और अंग्रेजों के राज्य मे स्वतंत्रता सेनानी को आकाश मे भी घोर अंधकार रूपी निराशा दिख रही है, जहाँ न्याय रूपी चंद्रमा का थोड़ा-सा भी प्रकाश नही है। इसलिए स्वतंत्रता सेनानी के माध्यम से कवि कोयल से पूछता है- हे कोयल! इतनी रात को तू

Date / /

क्यो जाग रही है और दूसरी को क्यो जगा रही है? क्या तू कोई संदेश लेकर आयी है।

3. क्यों हूक पड़ी - - - - - - - - - तो?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है।

अर्थ इन पंक्तियों मे कवि ने कोयल के स्वर मे निहित वेदना को बोझ के सामान बताकर, पराधीन भारतवासियों के मन में छुपी वेदना की तरफ इशारा किया है। जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानी कोयल की आवाज मैं दर्द का अनुभव करता है। उसे ऐसा लगता है कि कोयल ने अंग्रेज सरकार द्वारा किये जाने वाले अत्याचार को देख लिया है। इसी लिए उसके कंठ से मीठी एवं मधुर ध्वनि के बजाय वेदना का स्वर सुनाई पड़ रहा है, जिसमे कोयल के दर्द की हूक शामिल है। कवि के अनुसार कोयल अपनी वेदना सुनाना चाहती है।

इसीलिए कवि कोयल से पूछ रहा है- कोयल! बोलो तो तुम्हारा क्या लूट गया है, जो तुम्हारे कंठ से वेदना की ऐसी हूक सुनाई पड़ रही है? कोयल तो सबसे मीठी एवं सुरीली आवाज के लिए विख्यात है, जिसे गाते हुए सुनकर कोई भी मनुष्य प्रसन्न हो उठता है। लेकिन, जेल मे बंद स्वतंत्रता सेनानी को कोयल की आवाज व

Page:
Date: / /

तो सुरीली लगी और न ही मीठी लगी, बल्कि उसे कोयल की आवाज में दुःख और वेदना की अनुभूति हुई। इसीलिए वह व्याकुल हो उठा और कोयल से बार-बार पूछने लगा कि बताओ कोयल तुम्हारे ऊपर क्या विपदा आई है।

4. क्या हुई बावली - - - - - - - - तो?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है

अर्थ स्वतंत्रता सेनानी को कोयल का इस तरह अंधकार में भरी आधी रात में गाना चीखना बड़ा ही अस्वाभाविक लगा। इसी वजह से उसने कोयल को बावली कहते हुए उससे पूछा है कि तुम्हें क्या हुआ है? तुम इस तरह आधी रात में क्यों चीख रही हो? क्या तुमने जंगल में लगी हुई आग देख ली है? यहां पर कवि ने जंगल की भयावह आग के रूप में अंग्रेजी सरकार की यातनाओं की तरफ इशारा किया है। उन्हें ऐसा लग रहा है कि कोयल ने अंग्रेजी सरकार की हवानियत देख ली है, इसीलिए वह चीख-चीख कर ये बात सबको बता रही है।

5. क्या? देख - - - - - - - - - - - आली!

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया है।

अर्थ कवि को यह लगता है कि कोयल उसे चबोरी मे बंधा हुआ देखकर ये चीख पड़ी है। इस लिए कैदी कोयल से कहते है- क्या तुम हमे इस तरह चबोरी मे लिपटे हुए नही देख सकती हो? अरे ये तो अंग्रेजी सरकार द्वारा हमे दिया गया गहना है। अब तो कोल्हू चलने की आवाज हमारे जीवन का प्रेरणा - गति बन गया है। दिन-भर पत्थर तोड़ते-तोड़ते हम उन पत्थरो पर अपनी उंगलियो से भारत की स्वतंत्रता के गान लिख रहे है। हम अपने पेट पर रस्सी बांध कर कोल्हू का चरसा चला-चलाकर, ब्रिटिश सरकार की अकड़ का कुआं खाली कर रहे है।

अर्थात हम इतनी यातनाएं सहने और भूखे रहने के बाद भी अंग्रेजी शासन के सामने नही झुक रहे है, जिससे उनकी अकड़ जरूर कम हो जाएगी। इसी वजह से दिन मे हमारे अंदर यातनाओ को सहने के लिए गजब का आत्मबल आ जाता है, जिससे हमारे अंदर कोई करुणा उत्पन्न नही होती और ना ही हम रोते है। शायद तुम्हे यह बात पता चल गई है, इसीलिए शायद तुम्हे मुझे रात मे सांत्वना देने आयी हो। परन्तु, तम्हारे इस वेदना भरे स्वर ने मेरे ऊपर गजब ढा दिया है और मेरे मन को व्याकुल कर दिया है।

6. इस शांत - - - - - - - - - तो?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है।

अर्थ आगे कवि कोयल से कहता है कि इस आधी-रात्रि में तुम अंधेरे को चीरते हुए इस तरह क्यों रो रही हो? कोयल बोली तो क्या तुम हमारे अंदर अंग्रेजी सरकार के खिलाफ विद्रोह के बीज बोना चाहती हो? इस तरह कवि ने जेल में कैद एक स्वतन्त्रता सेनानी के मन की दशा का वर्णन किया है कि किस प्रकार कोयल यह गीत गा गा कर भारतीयों में देश-प्रेम एवं देश भक्ति की भावना को मजबूत बनाना चाहती है, ताकि वे अंग्रेजों की परतंत्रता से मुक्ति पा सकें।

7. काली - - - - - - - - - - - - - आली?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है।

अर्थ प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अंग्रेजी शासन-काल के दौरान जेलों में स्वतंत्रता सेनानियों के साथ हो रहे घोर अत्याचार का वर्णन किया है। काले रंग को हमारे समाज में फैले दुख और अशांति का प्रतीक माना गया है। इसलिए कवि ने यहाँ हर चीज को काला बताया है। कवि कैदी के माध्यम से कह रहा है कि कोयल तू खुद काली है, ये रात भी घोर काली है और ठीक इसी तरह अंग्रेजी सरकार द्वारा भी

जेल की काली सारी करतूते भी काली है और जेल की काली चारदीवारी मे चलने वाली हवा भी काली है।

मैंने जो टोपी पहनी हुई है, वह भी काली है और जो कम्बल मैं ओढ़ता हूँ वह भी काला है। मैंने जो लोहे की जंजीरे पहन रखी है वह भी काली है और इस वक्त से हमारे अंदर आने वाली कल्पनाएँ भी काली हो गई है। इतनी यातनाओं को सहने के बाद, हमे हमारे ऊपर दिन-भर नजर रखने वाले पहरेदारों की हुंकार और गाली भी सुननी पड़ती इसने को दौड़ती है।

8. इस - - - - - - - - - - - - - तो?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है।

अर्थ कवि यह नहीं समझ पा रहा है कि कोयल स्वतंत्र होने के बाद भी इस अंधेरी आधी रात मे कारागार के ऊपर मंडराकर अपनी मधुर आवाज मे गीत क्यों गा रही है। क्या वह संकट मे खुद को इसलिए ले आयी है कि उसने मरने की ठान ली है। उसका कोई लाभ होने वाला नहीं है। इसलिए कैदी कोयल से पूछ रहा है - हे कोयल! बताओ तुम क्यो इस विपरीत परिस्थिति मे आजादी की भावना जगाने वाले गीत गा रही है।

Date: / /

9. तुझे मिली हरियाली - - - - - - - - रणभेरी?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया है।

अर्थ प्रस्तुत पंक्तियों मे कवि ने स्वतंत्र कोयल एवं बंदी कैदी की मनःस्थिति की तुलना बड़े ही मार्मिक ढंग से की है। जहाँ एक ओर कोयल पूरी तरह से स्वतंत्र, किसी भी पेड़ की डाली मे जाकर बैठ सकती है। कहीं पर भी विचरण कर सकती है और अपने मनचाहे गीत गा सकती है। वहीं दूसरी ओर कैदी के लिए अंधकार से भरी 10 फुट की जेल की चारदिवारी है। जिसमे उसे अपना जीवन बिताना है, वह वहाँ अपनी इच्छानुसार कुछ भी नही कर सकता।

कोयल के मधुर गान को सुनकर सब लोग वाह-वाह करते है। वही किसी कैदी के रोनेको कोई सुनता तक नही है। इस प्रकार कैदी और कोयल की परिस्थिति में जमीन-आसमान का फर्क है, मगर, फिर भी कोयल दुख का संगीत क्यों गा रही है? कैदी कोयल से जानना चाहता है कि आखिर कोयल के इस तरह रहस्यमय ढंग से गाने का क्या मतलब है?

10. इस हुंकृति पर - - - - - - - - - - - - तो?

सन्दर्भ प्रस्तुत काव्यांश पाठ्य पुस्तक क्षितिज कैदी और कोकिला के नामक पाठ से लिया गया है।

Page:
Date: / /

अर्थ प्रस्तुत पंक्तियो में कवि ने कोयल और कैदी दोनों के अंदर स्वतंत्रता की प्रबल भावना को दिखाया है। जहाँ कोयल अपने जोशीले गान से देशवासियों में विद्रोह को जाग्रत कर रही है, वहीं कैदी स्वतंत्रता के लिए लगातार अंग्रेजी सरकार की यातनायें सहन कर रहा है। इसी लिए कवि ने यहा कोयल की आवाज़ को कैदी के लिए आज़ादी का संदेश बताया है। जिसे सुनकर कैदी कुछ भी करने के लिए तैयार हो सकता है।

इसलिए इन पंक्तियों में कैदी कोयल से पूछ रहा है कि हे कोयल! मुझे बता मैं गांधी जी द्वारा चलाये जा रहे हैं इस स्वतंत्रता संग्राम में किस तरह अपने प्राण झोंक दूँ? मैं तुम्हारे संगीत को सुनकर अपनी रचनाओं के द्वारा क्रान्ति की ज्वाला भड़कने वाली अग्नि तो पैदा कर रहा हूँ लेकिन तुम मुझे बताओ कि मैं देश की आज़ादी के लिए और क्या कर सकती हूँ?

शब्द = अर्थ

1. बटमार = रास्ते मे यात्रियो को लूट लेने वा

2. हिमकर = चंद्रमा

3. दावानल = जंगल की आग

4. मोट = चमड़े का डोल जिससे आपि पानी निकाला जाता है।

5. जूआ (जुआ) = बैलो के कंधे पर वाली लकड़ी

6. हुंकृति = हुँकार

7. व्याली = सर्पिणी

8. मोहन = मोहनदास करमचंद गांधी अर्थात महात्मा गांधी

प्रश्न उत्तर

प्र०1 कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उ०1 कोयल की कूक सुनकर कवि को लगा कि जैसे वह किसी का संदेश लाई है, इसलिए कवि उससे कहता है कि तुम चुप क्यो हो जाती (रह - रह जाती) हो! कोयल! स्पष्ट बोलो।

Page:
Date: / /

प्र०-2 कवि ने कोकिला के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई ?

उ०-2 कवि ने संभावना बताई है कि कोयल शायद कोई संदेश लाई है अथवा किसी दावानल की ज्वाला उसने देखी है या मधुर विद्रोह-बीज बोने कोकिल वह बोल उठी है। बोल-बोल या तो फिर अंग्रेजी शासन से मुक्ति की रणभेरी बजा रही है।

प्र०-3 किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों ?

उ०-3 अंग्रेजी शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है। क्योंकि अंधेरा काला होता है और उसके प्रभाव के कारण कुछ नहीं सूझता। अंग्रेजों की गुलामी के शासन से मुक्ति का कोई मार्ग नहीं सूझ रहा था इसी कारण कवि ने अंग्रेजों के शासन की तुलना तम के प्रभाव से की है।

प्र०-5 भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) दिन के दुःख का रोना है निःश्वासों का।

उत्तर क प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि एक-एक श्वास कारावास के दिनों की पीड़ा का वर्णन कर रहा है।

(ख) बेसुरा! मधुर क्यो गाने आई आली ?

उत्तर (ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि दुःख

Pa
Dat. / /

चिन्तों मे सुख के भाव न के बराबर हो जाते है।

प्र०=6 अर्द्धरात्रि मे कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उ०=6 अर्ध रात्रि मे कोयल की चीख से कवि को विद्रोह के बीजवपन की आशंका लगती है।

प्र०7 कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यो हो रही है?

उ०=7 कोयल परतंत्र देश मे रहकर भी आकाश मे स्वच्छन्दता पूर्वक विचरण करती है, जबकि कवि जेल मे बंद परतंत्रता की बेड़ियो मे जकड़ा हुआ है। इसलिए कवि को कोयल से ईर्ष्या हो रही है।

प्र० =10 काली तू ,, से आली ! इन पंक्तियो मे काली शब्द की आवृति से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन कीजिए?

~~उ०=10 यहाँ आवृत्ति से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन~~

उ०=10 यहाँ अनुप्रास और यमक दोनो अलंकार है। वर्णो की आवृत्ति से अनुप्रास है तथा काली काली मे पहली कालिमा का अर्थ रंग और दूसरी का अर्थ कुव्यवस्था है।